

SHRI RAM COLLEGE, MUZAFFARNAGAR

Dated: 8/9/2018


ACTIVITY REPORT

An international seminar on 'Introducing Japan's Taisei Technology for Waste Water Treatment in India' was held at Shri Ram College on Friday, 07/09/2018. In the program, a presentation was made on the Taisei Soil System of Japan due to water contamination and its reuse. The first water purification plant will be set up in Shri Ram College in India.

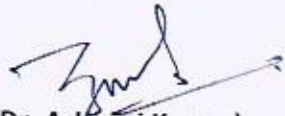
The program was inaugurated by the guests along with Dr. SC Kulshrestha, Chairman of Shri Ram Group of Colleges. Yasuhiro Matsumoto and Kenichi Euchida, who came from Japan, told of their project that the Taisei Soil System was installed in Japan in 1873. A large number of projects were set up in other countries with Japan through this system. Taisei Soil System is a zero discharge waste water treatment technology, whereby the water released from the sewerage and safety tank is treated with the Soil Treatment System and this purified water can be used in irrigation work. For this, the first plant will be set up in Shriram Group of Colleges.

In the seminar, the founder chairman, Dr. SC Kulshrestha gave information about the West Water Purification Project. He said that it is a matter of pride for us that the Government of Japan has selected Sri Ram Group of Colleges in India to implement the project. These companies will set up a waste water purification plant at the Shri ram Group of Colleges Campus, which will have a refining capacity of 8000 liters per day. The work of survey, designing and estimation for setting up of the Waste Water Purification Unit has been completed. The function was presided over by city MLA Kapil Dev Agarwal. The Chief Guest was NAPA Chairperson Anju Aggarwal. The distinguished guests during this period were former Municipality Pankaj Aggarwal, Nishank Jain, Revathi Nandan Asaghal, Ashok Aggarwal, Vipul Bhatnagar, Lover Chhabra and Padam Tomar etc. The seminar was attended by the Japanese delegation as Yasuhiro Matsumoto-Director Taisei Co. Ltd, Kenichi Euchida- Manager E-Scor-Japan and Himanshu Mishra Senior Manager, Technology and Action for Rural Advancement-New Delhi etc.

Overall 198 participants from faculties and students attended the seminar. In the end, the participants were distributed certificates and guests were given memento.


Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar


Principal


(Dr. Ashwini Kumar)
HoD, Bioscience



[Signature]
Co-ordinator
IQAC Shri Ram

[Signature]
Principal
Shri Ram College



[Signature]
Co-ordinator
IQAC, Shri Ram College,
Muzaffarnagar

[Signature]
Principal
Shri Ram College
Muzaffarnagar

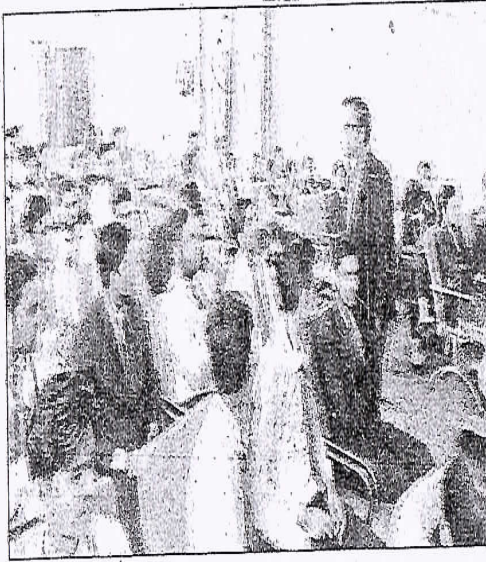
जल के वाष्पीकरण की दी जानकारी

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में 'अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

● जनवाणी संवाददाता, मुजफ्फरनगर

श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में 'अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्या' विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें पिछले कई वर्षों से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज द्वारा अवशिष्ट जल प्रबंधन पर जनपद में किए जाने वाले विकास कार्यक्रमों सहित 31 शौचालयों की उपलब्धता, स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण से संबंधित तथ्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयुकी मिहारा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। 'अवशिष्ट अतिथियों के रूप में जापान की ही अन्य कंपनी ई-स्कवायर के निदेशक कैनेची तमुरा एवं हिरोशी यामानुची रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुजफ्फरनगर नगरपालिका अध्यक्ष अंजु अग्रवाल ने की।

2017 से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज एवं जापान की अंतर्राष्ट्रीय कंपनी ताईसी सोयल सिस्टम के संयुक्त प्रयास से जनपद में अवशिष्ट जल संशोधन के क्षेत्र में संयुक्त विकास कार्यक्रमों को चलाया जा रहा है। इस विषय पर श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डा० एस०सी० कुलश्रेष्ठ ने बोलते हुए कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ



श्रीराम कॉलेज में आयोजित गोष्ठी में भाग लेते अतिथि।

■ छाया:

कॉलेजेज के सिविल इंजीनियरिंग ने मुजफ्फरनगर का वृहद दौरा किया तथा सुविधा, उपलब्धता एवं स्वच्छता के आधार पर जनपद के सार्वजनिक व सामूदायिक शौचालयों का सर्वेक्षण कराया। जिसका यह निष्कर्ष निकला कि केवल 31 सार्वजनिक और सामूदायिक शौचालय मुजफ्फरनगर में हैं। जिनमें सफाई व सुविधाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। अभी भी मुजफ्फरनगर में बहुत सी जगहों पर सार्वजनिक शौचालय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में टैफगाई तकनीकी पिछले वर्ष से बेहद

प्रभावी तरीके से कार्य कर रही है। जिसके माध्यम से छात्रावासों तथा कॉलेज के अवशिष्ट जल को पुनः उपयोगी बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त उन्होंने नगरपालिका चेयरमैन अंजु अग्रवाल का धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके माध्यम से सरकार एवं प्रशासन का भी पूरा-पूरा सहयोग इस कार्य में मिल रहा है। जिसकी योजनास्वरूप श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में आयोजित अवशिष्ट जल प्रबंधन की समस्याओं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज द्वारा जनपद में 31 शौचालयों की उपलब्धता,

विदेशी तकनीकों ने भी गोष्ठी में लिया भाग

स्वच्छता एवं सुविधा के आधार पर किए गए सर्वेक्षण के आंकड़ों को प्रस्तुत किया गया। इस विषय पर विस्तार से प्रस्तुती देते हुए श्रीराम इंजीनियरिंग कॉलेज के सिविल इंजीनियरिंग के विभागाध्यक्ष अर्जुन सिंह ने 2017 से श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज द्वारा जनपद में किए जा रहे सर्वेक्षण के आधार पर एकत्रित आंकड़ों को प्रस्तुत किया।

सेमिनार में ताईसी कंपनी के प्रबंधकीय निदेशक हिरोयुकी मिहारा ने टैफगाई तकनीकी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा कि यह तकनीकी अवशिष्ट जल को जमीन में अवशोषित नहीं होने देती जबकि वाष्पीकरण द्वारा जमीन के ऊपर भेज देती है। जिससे जमीन के ऊपर का पानी दूषित होने से बच जाता है तथा टैफगाई द्वारा वाष्पीकृत हुआ जल जमीन की उवरां शक्ति को बढ़ाता है। इसे किचन गार्डन और खेती के लिए उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने जनपद में श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज द्वारा किए गए सर्वेक्षण एवं अर्जित आंकड़ों की प्रशंसा करते हुए कहा कि सर्वेक्षण द्वारा अर्जित आंकड़ों से अवशिष्ट जल प्रबंधन

के क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को चिन्हित कर उनके निस्तारण में बहुत ही महत्वपूर्ण मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आज के इस कार्यक्रम में विशेष रूप से जापानी मीडिया शिरकत कर रहा है जिसका मूल उद्देश्य यह है कि जापान की ताईसी कंपनी एवं श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज द्वारा संयुक्त रूप से संफलतापूर्वक चलाई रही अवशिष्ट जल प्रबंधन योजना के प्र को भारत के साथ-साथ जापान के लोगों का भी अवगत कराना है। कार्यक्रम की अध्यक्ष अंजु अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि टैफगाई एक उपयोगी तकनीकी है जिससे भू जल दूषित होने से बचेगा तथा जमीन की उवरां शक्ति भी बढ़ेगी। उन्होंने नई तकनीकी को अपनाने के लिए श्रीराम ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की पहल की तारीफ करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस योजना का प्रसार जनपद के सभी क्षेत्रों तक प्रभावी रूप से क्रियान्वित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए। संचालन डा. प्रशांत चौहान ने किया। श्रीराम कॉलेज के निदेशक डा. आदित्य गौतम, श्रीराम कॉलेज की प्राचार्या डा. प्रेरणा मित्तल, इलैक्ट्रॉनिक्स कम्प्यूनिकेशन इंजीनियरिंग की विभागाध्यक्षा साक्षी श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, विवेक और अनुज रहे।

जन Vani

